दैनिक जागरण (Dainik Jagran)

दिनांक (Dated): 06/03/2022 | पृष्ठ सं0 (Page No). 01 | क्रम सं0(Serial No.)

शौर्य धुन पर कदमताल में दिखा जवानों का अदम्य साहस

इंदिरापुरम की पांचवीं आरक्षित वाहिनी में सीआइएसएफ ने मनाया अपना 53वां स्थापना दिवस, गृह मंत्री अमित शाह ने की शिरकत

जागरण संवाददाता, साहिबाबाद : केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) ने रविवार को इंदिरापुरम स्थित पांचवीं आरक्षित वाहिनी में 53वां स्थापना दिवस मनाया। अदम्य साहस का परिचय देते हुए जवानों ने कदमताल किया। वहीं, बस व मेट्रो में आतंकी हमला को महिला कमांडों ने विफल कर हैरतअंगेज करतब दिखाया।

सीआइएसएफ का स्थापना दिवस 10 मार्च को है, लेकिन इस दिन विधानसभा चुनाव का परिणाम आ रहा है। ऐसे में इस बार छह मार्च को ही स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि गृह मंत्री अमित शाह ने सबसे पहले बलिदानियों को शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि देकर उन्हें नमन किया। इसके बाद परेड कमांडर केके भारद्वाज ने गृह मंत्री को सलामी दी और गृह मंत्री ने परेड का निरीक्षण किया। सीआइएसएफ की महिला कमांडो समेत 10 टुकड़ी ने परेड में हिस्सा लिया। सभी ने शौर्य धुन पर कंधे से कंधा मिलाकर कदमताल किया।

हवा में पानी से बनाया तिरंगा : अग्निशमन टीम की ओर से तेल, गैस, ट्रांसफार्मर और औद्योगिक इकाई में आग लगने पर लोगों को बचाने और बुझाने का करतब दिखाया। इसके बाद पानी से हवा में तिरंगा बनाया तो दर्शकों ने भारत मां के जयकारे लगाए। समारोह में हिस्सा लेने वाले जवानों के साथ रविवार रात में सीआइएसएफ के अधिकारियों ने खाना खाया और उन्हें शुभकामनाएं भी दी। स्थापना दिवस के समारोह में केंद्र सरकार में गृह सचिव अजय कुमार भल्ला, समस्त अर्ध सैनिक बलों के महानिदेशक व विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारी शामिल हुए।

इमारतों पर तैनात रहे स्नाइपर : सुरक्षा के लिहाज से सीआरपीएफ, सीआइएसएफ और यूपी पुलिस तैनात रही। बटालियन के आसपास नोएडा और इंदिरापुरम की बहुमंजिला इमारतों पर स्नाइपर तैनात रहे। कार्यक्रम में अतिथियों के आने जाने के दौरान सीआइएसएफ रोड पर वाहनों को रोका गया, जिससे लोगों को थोड़ी परेशानी हुई। रविवार होने के कारण ट्रैफिक कम रहा।

उत्कृष्ट सेवा के लिए मिला सम्मान : आरक्षक मुतुम बिक्रमजीत सिंह, अनिल लाकड़ा, मुत्तमाला रवि और राहुल कुमार, जिन्हें स्वतंत्रता दिवस 2021 के अवसर पर वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया था। इन्हें मुख्य अतिथि अमित शाह ने पदक से अलंकृत किया। अपर महानिदेशक जगबीर सिंह, महानिरीक्षक मीनाक्षी शर्मा, अंजनी कुमार सिंह और सीआइएसएफ के अन्य सात अधिकारियों व कर्मियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक और विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक दिया गया। आरक्षक बाला नायक बनावथ को भी जीवन रक्षा पदक से अलंकृत किया गया। वहीं, 1104 सहायक उप निरीक्षकों को छह साल कार्यकाल पूरा करने पर उप निरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है।

सीआइएसएफ के स्थापना दिवस पर इंदिरापुरम स्थित पांचवीं आरक्षित वाहिनी में मार्शल आर्ट का प्रदर्शन करते जवान • मनोज कुमार

समारोह में महिला कमांडो ने साहस और वीरता का अच्छा प्रदर्शन किया। मैं भी देश की सेवा करने के लिए फोर्स में जाना चाहती हूं। कार्यक्रम देखकर बहुत अच्छा लगा। -निकिता

मौजूदा वक्त में महिलाओं को जो सम्मान मिल रहा है। यह बहुत पहले ही मिलना चाहिए था। महिलाएं हर क्षेत्र अपना लोहा मनवा रही है। सरकार द्वारा नारी सशक्तिकरण के लिए अनेक कदम उठाए गए है। महिलाओं का हुनर देख कहीं से नहीं लगा की हम महिलाएं पीछे हैं।-जूली

परेड का निरीक्षण करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह • जागरण

सीआइएसएफ में होंगी 20 प्रतिशत महिलाएं : अमित शाह

धनंजय वर्मा • साहिबाबाद

स्थापना दिवस समारोह में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सभी अर्धसैनिक बलों में सीआइएसएफ ही एक ऐसा बल है, जहां पर महिला कर्मचारियों की संख्या सबसे ज्यादा है। अभी सीआइएसएफ में 6.38 प्रतिशत (9200) महिलाएं हैं। गृह मंत्री ने सीआइएसएफ के महानिदेशक शील वर्धन सिंह से कहा कि सीआइएसएफ में 20 प्रतिशत महिलाएं भर्ती की जाएं। इस दिशा में विशेष सोच और प्रयास की जरूरत है।

महिला सशक्तीकरण का संदेश दिया : मेट्रो में रोजाना 30 लाख और एयरपोर्ट से करीब 10 लाख लोग रोजाना सफर करते हैं। इसमें करीब 50 प्रतिशत महिलाएं होती हैं, जिन्हें सीआइएसएफ की महिला कर्मचारी सुरक्षा का एहसास कराती हैं। समारोह में नारी शक्ति का प्रदर्शन किया। परेड में भी महिला कमांडो की टुकड़ी शामिल रही। परेड से लेकर सुरक्षा के डेमो तक में महिला कमांडो को आगे रख महिला सशक्तीकरण का संदेश दिया गया।

तीन हजार साल पुराने मार्शल आर्ट का किया प्रदर्शन

सीआइएसएफ जवानों ने सभी मार्शल आर्ट की जननी कलारीपयट्टु का प्रदर्शन किया। करीब तीन हजार साल पहले भारत के केरल में इस मार्शल आर्ट की उत्पत्ति हुई थी। इसके तहत जवानों ने लाठी, तलवारबाजी, लचीली तलवारबाजी में युद्ध का प्रदर्शन किया। जवानों ने दिखाया को वह बिना हथियार के मार्शल आर्ट के जरिए भी लड़ने में पारंगत हैं।

एक जवान द्वारा किए गए इस करतब ने दर्शकों का दिल जीता • जागरण

164121 कर्मचारी सीआइएसएफ में मौजूदा समय में हैं

9200 महिलाएं हैं सीआइएसएफ में

3570 जवान अग्निशमन के लिए अति प्रशिक्षित हैं

354 सरकारी और 11 निजी इकाइयों की सुरक्षा में तैनात हैं जवान

162 वीआइपी की सुरक्षा में भी लगे हैं

64 एयरपोर्ट पर रोजाना 10 लाख लोगों को सुरक्षा देते हैं

30 लाख लोगों को रोजाना देशभर के मेट्रो स्टेशनों में सुरक्षा देते हैं सीआइएसएफ के जवान, इनमें महिला भी हैं शामिल

महिला सशक्तीकरण के तहत महिला कमांडो ने दिखाया दम तो वहीं मेट्रो में आतंकी हमले के डेमो में महिला कमांडो ने शीशा तोड़ अंदर प्रवेश किया • जागरण

स्थापना दिवस पर मातृ शक्ति का शौर्य देखकर सभी ने सराहा, किया नमन

आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है। ऐसे में इस बार सीआइएसएफ के स्थापना दिवस पर महिला सशक्तीकरण का संदेश देने के लिए महिला कमांडो द्वारा सुरक्षा का डेमो किया गया। दिल्ली में हुए निर्भया कांड को रोकने के लिए एक डेमो दिखाया गया, जिसमें कार सवार लोगों ने युवती को अगवा कर लिया। महिला कमांडो ने छलांग लगाकर चलती कार के अंदर घुस गई। युवती को बचाकर आरोपितों को धूल चटा दी। एक के बाद एक आतंकी हमले में महिला कमांडो ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। बस से ड्यूटी करने जा रहे मेट्रो कर्मचारियों पर आतंकी हमला हो गया। हाइजैक बस में महिला कमांडो ने आतंकियों को मार गिराया। वहीं, मेट्रो में आतंकी हमला होने पर महिला कमांडो ने चलती मेट्रो का कांच तोड़कर अंदर प्रवेश किया और आतंकियों को ढेर किया। समारोह के मुख्य अतिथि गृह मंत्री समेत सैकड़ों दर्शक महिलाओं का शौर्य देखकर गदगद हो गए। उन्होंने मातृ शक्ति को नमन किया।